>

Title: Need to accord priority in providing Naptha produced from Barauni Oil Refinery, Bihar to small and medium scale industries in the State.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): बरौनी में जब तेलशोधक कारखाने की स्थापना हो रही थी तब यह निर्णय किया गया था कि उससे उत्पादित नेप्था से स्थानीय लघु एवं मध्यम उद्योग चलेंगे और इसको ध्यान में रखते हुए लगभग 60 मोम के लघु उद्योग आरंभ हुए तथा 17-18 कार्बन कोक के कारखाने खुले। यह भी निर्णय हुआ कि पहले स्थानीय उद्योगों एवं कारखानों को नेप्था की आपूर्ति की जायेगी। उसके बाद ही इसकी आपूर्ति दूसरे राज्यों एवं विदेश में की जायेगी। उसके बाद ही इसकी आपूर्ति दूसरे राज्यों एवं विदेश में की जायेगी। विडंबना यह हे कि बरौनी तेलशोधक के प्रबंधन ने इस निर्देश का पालन नहीं किया, इससे एवं बरौनी में मोम उद्योग एवं अन्य लघु मध्य उद्योग बंद हो रहे हैं एवं जो चल रहे हैं, वे भी बंद होने की स्थिति में हैं। बिहार पिछड़ेपन का शिकार है, जब तक उद्योग धंधे का विकास नहीं होगा बिहार तब तक एक विकसित राज्य के रूप में नहीं उभरेगा।

अतः केन्द्र सरकार बरौनी तेलशोधक कारखाने के प्रबंधन को हिदायत दे कि वह केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित नीति का पालन करे तथा नेप्था को स्थानीय उद्योग धंधों को प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराये। मैं इस ओर केन्द्र सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूं1